पुरुषों से ज्यादा जरूरी है महिलाओं का बीमा

राकेश जैन
चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस

सदियों से बहुत सी महान हस्तियां महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में आवाज उठाती रही है, क्योंकि जब हम महिलाओं को सशक्त बनाते हैं, तो इसका लाभ समाज को पहुंचता है। महात्मा गांधी ने भी कहा था, 'जब एक लड़का शिक्षा प्राप्त करता है, तो एक बच्चा साक्षर हो जाता है परंतु जब एक लड़की शिक्षा प्राप्त करती है तो पूरा परिवार साक्षर हो जाता है।'

पिछले दशकों के दौरान आबादी के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि महिलाओं की जीवन प्रत्याशा पुरुषों की तुलना में अधिक है। हालांकि अगर हम जीवन प्रत्याशा के बजाए 'स्वस्थ जीवन प्रत्याशा' का गहराई से मूल्यांकन करें तो महिलाएं इससे पुरुषों की तुलना में कम लाभान्वित होती हैं। इसका एक मुख्य कारण यह है कि महिलाएं समाज में अपनी स्थिति तथा आर्थिक संसाधनों के लिए मुख्य रूप से अपने पति पर निर्भर करती हैं। इससे स्पष्ट होता है कि समाज में महिलाओं की एक बड़ी संख्या ऐसी है जो निर्भरता एवं अलगाव के जोखिम पर है। आम तौर पर पुरुष ही परिवार में कमाने वाला सदस्य होता है जो अक्सर अपने ही नाम पर स्वास्थ्य बीमा खरीदता है। बीमा पॉलिसी लेते समय महिलाओं की अक्सर उपेक्षा की जाती है, इसलिए महिलाएं अपेक्षाकृत अधिक जोखिम पर होती हैं।

हालांकि, पुरुषों और महिलाओं को अक्सर एक ही तरह की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, (देखें टेबलः मृत्यु के मुख्य कारण) इसके बावजूद महिलाओं के स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। इसका कारण यह है कि बहुत सी स्थितियां ऐसी होती हैं, जिनका सामना केवल महिलाओं को ही करना पड़ता है, जैसे गर्भावस्था और बच्चे को जन्म देना। हालांकि ये बीमारियां नहीं है किंतु ऐसी जैविक एवं सामाजिक प्रक्रियाएं हैं, जिनके लिए महिलाओं को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। ऐसे कई मामलों में महिलाएं बहुत ज्यादा जोखिम की स्थिति में होती हैं।

इसके अलावा, लिंग आधारित असमानताएं जैसे शिक्षा, आय एवं रोजगार में असमानता के चलते महिलाओं की क्षमता सीमित हो जाती है। 15 से 49 वर्ष की आयु (जीवन के उत्पादक वर्षों के दौरान) के बीच महिलाओं के स्वास्थ्य की दशा न केवल खुद महिलाओं को प्रभावित करती है, बल्कि इसका असर अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य एवं विकास पर भी पड़ता है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से महिलाओं और पुरुषों के बीच समानता लाने के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बेहद जरूरी है। इसके लिए संसाधनों का उचित नियंत्रण तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सभी जरूरी जानकारियां उपलब्ध कराना आवश्यक है। महिलाओं को समान स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में बीमा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बीमा महिलाओं को जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराता है, इससे स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उनकी परिवार/ पति पर निर्भरता समाप्त हो जाती है।

अक्सर दुर्भाग्यपूर्ण मामलों जैसे तलाक, पति की मृत्यु हो जाने पर या पति की नौकरी चले जाने पर, महिलाएं बेसहारा हो जाती हैं, अक्सर इन महिलाओं के पास कोई स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी नहीं होती। तो स्पष्ट है कि जहां स्वास्थ्य सेवाओं की बात आती हैं, महिलाएं जोखिम की स्थिति में हैं। इसलिए, हर महिला को अब आगे आना होगा और अपनी खुद की सुरक्षा के लिए कदम बढ़ाना होगा।

अधिक संख्या में महिलाओं को स्वास्थ्य बीमा लेने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कई बीमा कंपनियों ने ऐसे उत्पाद लांच किए हैं जो अकेली महिलाओं और लड़कियों को आवश्यक कवर उपलब्ध कराते हैं। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस का हेल्थ गेन महिलाओं और लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराता है। यह उत्पाद महिलाओं को उचित उपचार उपलब्ध कराकर, उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है। इसकी लाइफ लांग रिन्यूएबिलिटी एवं कॉल ऑप्शन के साथ आप बीमा की पूर्व-निर्धारित राशि को बढ़ा भी सकते हैं, जो आपको पर्याप्त बीमा कवर उपलब्ध कराता है।

इसके अलावा जिन मामलों परिवार के मुख्य सदस्य (पॉलिसी धारक) की मृत्यु हो जाती है, रिलायंस हेल्थगेन एक मुश्त राशि प्रदान करता है, जिसका उपयोग रिन्युअल प्रीमियम के रूप में भी किया जा सकता है।

आजकल कम उम्र की महिलाओं में कैंसर के मामले बढ़ रहें हैं, यह एक बहुत बड़ी चिंता का विषय है। इस घातक बीमारी से महिलाओं को सुरक्षित करने के लिए इस उत्पाद में एक खास फीचर है, जिसमें कैंसर का निदान होने पर, एक साल के लिए पॉलिसी स्वतः ही रिन्यू (नवीनीकृत) हो जाती है और पॉलिसीधारक से कोई अतिरिक्त प्रीमियम नहीं लिया जाता।

महिलाओं को अपने बीमा, निवेश आदि मामलों से जुड़े फैसले खुद लेने चाहिए; विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराकर महिलाओं को इस दिशा में प्रोत्साहित करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। स्वस्थ समाज को बनाने का यही सबसे अच्छा तरीका है।

महिलाओं एवं पुरुषों की मृत्यु दर

मृत्यु दर	पुरुष	महिलाएं
हृदय रोग	26.3	22.5
श्वसन रोग	10.1	10.4
टीबी	11.4	8.3
घातक एवं अन्य ट्यूमर	7.8	11.8
दुर्घटना- परिभाषित स्थितियां	4.8	6
पाचन संबंधी बीमारियां	6.1	3.5
अंतःस्रावीय रोग	4	6.6
आवाजाही में होने वाली दुर्घटनाएं	5	4.1
जानबूझ कर अपने आप को नुकसान पहुंचाने वाले मामले	3.3	2.6
मलेरिया	2.4	3.4

निम्नलिखित तथ्य महिलाओं की मौजूदा स्थिति को स्पष्ट करते हैंः

1. लिंग अनुपात विशेष रूप से 0-6 वर्ष के आयु वर्ग में, तेजी से गिर रहा है।
2. जहां पुरुषों की साक्षरता दर 82.14 फीसदी है, वहीं महिलाओं की साक्षरता दर मात्र 65.46 फीसदी है।

स्रोत : भारत की जनगणना